

1. एक पद में उत्तर दें -

- |  |  |
|--|--|
| (क) विदुरः कः आसीत् ? -                    | उत्तर - मन्त्री                        |
| (ख) भूद-चेता नराधमः कस्मिन् विश्वसिति ? -  | उत्तर - अविश्वस्ये                     |
| (ग) उन्मा शान्तिः का ? -                   | उत्तर - क्षमा                          |
| (घ) का परमा वृष्टिः ? -                    | उत्तर - विद्या                         |
| (ङ) नरकस्य किमद् द्वारं परिगणितम् ? -      | उत्तर - त्रिविधं                       |
| (च) विद्या केन रक्ष्यते ? -                | उत्तर - योगेन                          |
| (छ) विनयः कः हन्ति ? -                     | उत्तर - अकीर्तिम्                      |
| (ज) केषां तत्त्वज्ज्ञः पण्डितः उच्यते ? -  | उत्तर - सर्वभूतानाम्                   |
| (झ) अनादृतः कः प्रविशन्ति ? -              | उत्तर - भूद-चेता                       |
| (ञ) धर्मः केन रक्ष्यते ? -                 | उत्तर - सत्येन                         |
| (ट) क्षमा कं हन्ति ? -                     | उत्तर - क्रोधं                         |
| (ठ) सुरवायस का ? -                         | उत्तर - अहिंसा                         |
| (ड) नरकस्य त्रिविधं द्वारं कस्य नाशनम् ? - | उत्तर - आत्मनः                         |
| (ढ) केन छद्दोषाः हातव्याः ? -              | उत्तर - अस्मिन् भूतिनिष्ठान् पुरुषेणैव |
| (ण) कुलं केन रक्ष्यते ? -                  | उत्तर - वृत्तेन                        |
| (त) स्निग्धः गृहस्थः काः उक्ताः सन्ति ? -  | उत्तर - पूजनीयाः                       |

### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न - नीति श्लोक पाठ के आधार पर पण्डित किसे कहते हैं ?

उत्तर - जिसके कामों में दण्ड, गर्मी, भय, खुशी, धन-सम्पत्ति, गरीबी कोई बाधक नहीं होता है, तथा सभी जीवों के तत्वों को जानने वाला, सभी, कर्मों के अभाव को जानने वाले मनुष्य को पण्डित कहते हैं।

प्रश्न - नीति श्लोक पाठ के आधार पर भूद-चेता नराधम किसे कहते हैं ?

उत्तर - बिना बुलाये प्रवेश करता है, बिना पुछे बहुत भाषण करता है, नहीं विश्वास करने वाले पर जो विश्वास करता है, उसे मूर्ख तथा पापी मनुष्य कहते हैं।

प्रश्न - पुरुषार्थ चाहने वाले व्यक्ति को किन-किन दोषों का (4)

परित्याग कर देना चाहिए ?

उत्तर - पुरुषार्थ चाहने वाले अर्थात् अपने उच्च लक्ष्य की कामना करने वाले को निद्रा, ताद्रा (न सोने न जागने की स्थिति) भ्रम, क्रोध, आलस्य और दीर्घ सूत्रता (किसी कार्य को आज्ञा या पूर्वक देर से करना) इन छः दोषों का परित्याग कर देना चाहिए।